प्रश्न पहेली

१. मंत्रों में जो महामंत्र है, सुख पाने का एक यंत्र है।
उसी मंत्र का नाम बताओ, शुद्ध बोलकर हमें सुनाओ।

उत्तर — णमोकार महामंत्र ।जो इस प्रकार है णमो अरिहंताणं, णमो सिद्धाणं, . णमो आइरियाणं, णमो उवज्झायाणां, णमो लोए सव्व साहूणं।

२. अर्हत् सिद्धाचार्य उपाध्याय, साधु जी को हम नित ध्याँय।
सहीं मूलगुण सबके बोलो, कर्म काट मुक्ती पट खोलो।।

उत्तर— अरिहंत परमेष्ठी ४६ सिद्ध परमेष्ठी ८ आचार्य परमेष्ठी ३६ उपाध्याय परमेष्ठी २५ साधु परमेष्ठी २८

३. रामचन्द्र की जीवन गाथा, पढ़े सुने जो शिव सुख पाता ।
पद्म पुराण ग्रन्थ पथदाता, किसने रचा बताओ भ्राता।।

उत्तर— श्री रविषेण आचार्य।

४. उमास्वामी मुनिवर की रचना, दशाध्याय पढ़ पाप से बचना।
कुल सूत्रों की गणना गाओ, तथा ग्रन्थ नाम बताओ।।

उत्तर— ग्रन्थ का नाम तत्वार्थसूत्र कुल सूत्र ३५७

५. फूल गुलाब का कितना प्यारा, कोमल तन है गंध निराला।
कैसे उसका ज्ञान है होता, नाम बता क्यों मौका खोता।।

उत्तर— कितना प्यारा चक्षु इन्द्रिय से कोमल तन स्पर्शन इन्द्रिय से निराली गंध घ्राण इन्द्रिय से

6. णमोकार है सबसे प्यारा, सब मंत्रों में सबसे न्यारा ।
भाषा और छन्द बतलाओ, रचा किन्होंने नाम बताओ।।

उत्तर— णमोकार मंत्र भाषा प्राकृत छन्द आर्या किन्होंने अनादिनिधन है।

7. जिन्हें सभी हैं शीश नवाते, परमेष्ठी हैं वे कहलाते।
कितने होते नाम बताएं, सदा शरण में इनकी जाएं।।

उत्तर— परमेष्ठी पाँच होते हैं — अरिहन्त, सिद्ध, आचार्य, उपाध्याय, साधु ।

8. बालयति तीर्थंकर प्यारे, शौरीपुर में जन्म है धारे।
नाम कौन सा इन्द्र पुकारे, सही बताओ जग के तारे।।

उत्तर— अरिष्ट नेमि।

9. धीर वीर हैं पाण्डव भाई, संख्या पाँच उन्हीं की गाई।
किनने मोक्ष कहाँ से पाया, सही बताओ मेरे भाया

उत्तर— युधिष्ठिर, भीम और अर्जुन ने शत्रुंजय (पालिताणा) से।

10. चतुर्णिकायों के सुर आते, अष्टाह्निक का पर्व मनाते।
उसी द्वीप का नाम बताओ, जिन प्रतिमा की महिमा गाओ।।

उत्तर— आठवाँ नन्दीश्वर द्वीप महिमा— ५२ अकृत्रिम चैत्यालय, प्रत्येक चैत्यालय में ५०० धनुष उँची प्रमाणवाली पद्मासन विराजित १०८—१०८ जिन प्रतिमा है।

11. कलिकाल सर्वज्ञ कहाते, सुर भी जिनकी महिमा गाते।
उन गुरुवर का नाम बताओ, शीश नवाकर पुण्य कमाओ।।

उत्तर— आचार्य कुन्दकुन्द स्वामी ।

12. जिनपूजा है दुख की नाशा, इससे मिटती जग की आशा।
अष्ट द्रव्य के नाम बताकर , पूजा करना तुम नित आकर।।

उत्तर— अष्टद्रव्य के नाम १ जल २ चन्दन ३ अक्षत ४ पुष्प ५ नैवेद्य ६ दीप ७ धूप ८ फल।

13. कौशल्या के राज दुलारे, सीता जी को सबसे प्यारे।
कौन कहाँ से मोक्ष पधारे, नाम बताओ वरना हारे।।

उत्तर— श्री रामचन्द्र, तुंगीगिरी (मांगीतुंगी) से मोक्ष पधारे।

14. समयसार छोटा कहलाता , मुक्ति महल का पथ दिखलाता।
कवि का नाम बताओ भईया, छहढाला तो नाव खिवैया ।।

उत्तर— पं. दौलतराम जी ।

15. सम्यग्दृष्टि वो कहलाता, सात तत्व जो उर में लाता।
इन तत्वों के नाम बताओं, कर्म काट मुक्ति पा जाओं।।

उत्तर सात तत्व—१ जीव २ अजीव ३ आस्त्रव ४ बन्ध ५ संवर ६ निर्जरा ७ मोक्ष

16. जन्म मरण यह जीव है करता, चहु गतियों में दुख ही भरता।
भावना कौन सी है कहलाती, मोक्ष मार्ग में प्रीत जगाती।।

उत्तर— **संसार भावना**

17. विषयों को जो चखकर जाने, रसना इन्द्रिय वो पहचाने ।
पाँच विषय हैं उसके होते, नाम बताओ अब क्यों सोते।।

उत्तर— रसना इन्द्रिय के पाँच विषय १ खट्टा २ मीठा ३ कड़वा ४ चरपरा ५ कषायला।

18. ऋषभदेव पितु मात सुनन्दा , और दूसरी मात यशस्वती ।
पुत्र—पुत्री के नाम बताओ, किसके कौन हमें समझाओ ।।

उत्तर— माता सुनन्दा की पुत्री— सुन्दरी, पुत्र बाहुबली तथा माता यशस्वती (नन्दा) की पुत्री — बाह्मी, पुत्र भरत आद सौ ये ऋषभदेव की दो पुत्रियाँ एवं एक सौ एक पुत्र थे।

19. छूकर के जो सबको जाने, स्पर्शन इन्द्रिय पहचाने।
आठ विषय हैं उसके होते , बोलो नाम समय क्यों खोते ।।

उत्तर— स्पर्शन इन्द्रिय के विषय १. हल्का २ भारी ३ कडा ४ नरम ५ रूखा ६ चिकना ७ ठण्डा ८ गरम।

20. पार्श्व प्रभु हैं सबसे न्यारे , कर्म शत्रु भी जिनसे हारे।
प्रभु की कुल आयु बतलाओ, प्रभु चरणों में शीश झुकाओ।।

उत्तर— पार्श्व प्रभु की आयु १०० वर्ष ।

21. कुष्ट रोग क्षण में है भागा , भाग्य सितारा नृप का जागा।
धन्य धन्य मुनि उनकी रचना, नाम कहो जग में ना फसना।।

उत्तर— रचना का नाम एकीभाव स्तोत्र, मुनिवर का नाम श्री वादिराज मुनि

22. रानी चेलना ने समझाया, सम्यग्दृष्टि जिसे बनाया।
उस राजा का नाम बताओ, आगे क्या होगा बतलाओ।।

उत्तर— श्रेणिक राजा, जो भविष्यकाल में महापद्म नाम के प्रथम तीर्थंकर होंगे।

23. कुन्दकुन्द आचार्य हमारे, हम सबको हैं प्राण से प्यारे ।
पाँच ग्रन्थ के नाम उचारे, गुरु रचित हैं हमें सहारे ।।

उत्तर— कुन्दकुन्द आचार्य द्वारा रचित पाँच ग्रन्थ — समयसार, प्रवचनसार, नियमसार,पञ्चास्तिकाय, अष्टपाहुड।

24. सती अंजना के थे ललना, हनुरुह द्वीप में डला था पलना ।
हनुमान जी वे कहलाए , नाम दूसरा कौन बताए।।

उत्तर— हनुमान का दूजा नाम— श्री शैल था। (पद्मपुराणजी ग्रंथानुसार)

25. भटक—भटक कर दुख ही पाता , चउगतियों में कहीं न साता।
इन गतियों के नाम बताओ, सबसे पहले इनाम पाओ।।

उत्तर— चार गतियाँ— नरकगति, तिर्यंचगति, मनुष्यगति, देवगति।

26.

तीन—तीन पद के हैं धारी, जीती जिनने धरती सारी ।
तीर्थंकर का नाम बताओं, कामदेव पदवी पा जाओ । ।

उत्तर— तीर्थंकर, चक्रवर्ती एवं कामदेव पद के धारी शान्तिनाथ जी, कुन्थुनाथ जी व अरहनाथ जी

27. मानतुंग मुनिवर ने गाया, भक्तिभाव से बंध छुडाया ।
उस रचना का नाम बताओ, तथा छन्द की गणना गाओ । ।

उत्तर— रचना का नाम— भक्तामर स्तोत्र छन्द संख्या — ४८

28. भव—भव में जो दुख के दाता, गति आगति कर भटकाता ।
अष्टकर्म के नाम बताओ, कर्म काट मुक्ती पा जाओ ।

उत्तर— आठ कर्मों के नाम १.ज्ञानावरण २.दर्शनावरण, ३.वेदनीय ,४. मोहनीय ५. आयु, ६. नाम ७. गोत्र ८. अन्तराय ।

29. देवों में उत्सव है छाया, जन—जन ने उल्लास मनाया ।
कह गये कल्याणक जिन के, पाँच कौन से तीर्थंकर के । ।

उत्तर— पाँच कल्याणक निम्न प्रकार के है । गर्भकल्याणक, जन्मकल्याणक, तपकल्याणक, केवलज्ञान कल्याणक, निर्वाण/ मोक्ष कल्याणक ।

30. आतम की पहचान कराती, चखें सूंघती और दिखाती ।
छूना सुनना और सुनाना, नाम इन्द्रियों के बतलाना । ।

उत्तर— पाँच इन्द्रियों के नाम(१) स्पर्शन इन्द्रिय (त्वचा), (२) रसना इन्द्रिय (जिव्हा) (३) घ्राण (नासिका) (४) चक्षु (नेत्र) (५) कर्ण (कान) इन्द्रिय ।

31. योजन एक लाख विस्तारा, जीव द्रव्य से भरा है सारा ।
नाम द्वीप का कौन बताएं , बीच सुमेरु उसके पाएं । ।

उत्तर— एक लाख विस्तार वाला द्वीप :— जम्बूद्वीप ।

32. नाभिराय मरुदेवी के नन्दन, हरते हैं जन जन का क्रन्दन ।
कितनी आयु हमें बताना, ऋषभदेव को शीश नवाना । ।

उत्तर— ऋषभदेव जी, कुल आयु:— ८४ लाख पूर्व वर्ष

33. तुंगीगिरी से मोक्ष पधारे, अतिसुंदर जो काया धारे ।
हनुमान जी वे कहलायें, मात—पिता थे कौन बताएं । ।

उत्तर— हनुमान जी के माता—पिता का नाम:— पिता का नाम:— श्री पवनञ्जय, माता का नाम:— श्रीमति अन्जना ।

34. मुकुटबद्ध अन्तिम थे राजा, नाम बताओ लेलो बाजा ।
भद्रबाहु से दीक्षा लीनी, नित ही गुरु की भक्ति कीनी । ।

उत्तर— अन्तिम मुकुटबद्ध राजा दीक्षाधारी— सम्राट चन्द्रगुप्त मौर्य ।

35. सिद्ध पूज्य है जय भगवन्ता, जिनके ज्ञान का कोई न अंता ।
हमें छोड़ कर कहाँ विराजे, सत्य बताओ बजेंगे बाजे ।

उत्तर—सिद्ध भगवान का निवास स्थान— ईषत प्राग्भार नाम अष्टम पृथ्वी सिद्ध ऊपर तनु वातावलय के उपरी भाग में ।

36. गिरी सम्मेद शिखर है प्यारा, जन—जन का है तारन हारा ।
हैं तीर्थंकर कितने सारे, मोक्ष पधारे हमें सहारे । ।

उत्तर— श्री आदिनाथ, श्री वासुपूज्य, श्री नेमीनाथ एवं श्री महावीर भगवान को छोड़कर शेष बीस तीर्थंकर श्री सम्मेद शिखर जी से मोक्ष पधारे ।

37. नरक निगोद हमें ले जाता, पाप काम है बुरा कहाता ।
पाँच पाप के नाम बताओं, पाप त्याग कर मुक्ति पाओ । ।

उत्तर— पाँच पाप— हिंसा, झूठ , चोरी, कुशील, परिग्रह ।

38. देवों के भी देव कहाते, सुर—नर जिनको शीश नवाते ।
कौन देव सच्चे कहलाते , पाप ताप से हमें बचाते । ।

उत्तर— जो वीतरागी, सर्वज्ञ और हितोपदेशी होते है, वे सच्चे देव कहलाते हैं ।

39. कभी मोक्ष ना वो पायेगा, मुनि बन स्वर्ग भले जायेगा ।
उसी जीव का नाम बताओ, अपना है पुरुषार्थ जगाओ । ।

उत्तर— जीव का नाम— अभव्य ।

40. तीर्थंकर हैं तीर्थ के नायक, भव्य जनों को हैं सुखदायक ।
किस आसन से मोक्ष पधारे, तीर्थंकर चौबीस हमारे ।

उत्तर— भगवान आदिनाथ भगवान वासुपूज्य एवं नेमीनाथ पद्मासन से एवं शेष २१ तीर्थंकर खड्गासन से मोक्ष पधारे ।

41. सब अचलों में जो महान है, तीर्थंकरों का मुक्तिधाम है ।
भाव सहित वंदन जो करता, नाम बताओ दुख का हरता । ।

उत्तर— श्री सम्मेद शिखर सिद्धक्षेत्र । 42.

बहुत परिग्रह है जो रखता, भाई—बहन से नित प्रति लड़ता ।
दिन में सोता रात में खाता, गति कौन सी है वो पाता । ।

उत्तर— नरकगति । 43.

बुद्धि को है भ्रष्ट बनाता, घर भर में दुख दारिद्र लाता ।
भूल इसे तुम कभी न छूना, नाम व्यसन का बताओ जूना । ।

उत्तर— मद्य (मदिरा) पान व्यसन ।

44. नेमिनाथ ना राजुल ब्याहा, चलना मोक्षमार्ग पर चाहा ।
मोक्ष कहाँ से उनने पाया, दूजा नाम भी बताओं भाया । ।

उत्तर— नेमिनाथ भगवान श्री गिरनार जी से मोक्ष गये । दूसरा नाम— श्री ऊर्जयन्तगिरि सिद्धक्षेत्र ।

45. जिन की वाणी है जिनवाणी, पार हुआ है जिसने मानी ।
चार भेद हैं आप बताओं, अनुयोगों को उर में लाओ । । उत्तर— चार अनुयोग —१. प्रथमानुयोग, २. करणानुयोग, ३. चरणानुयोग, ४. द्रव्यानुयोग । 46.

अणुव्रत ब्रह्मचर्य की महिमा, देवों से भी जाय कही ना ।
मुनिव्रत सेठ सुदर्शन धारे, कहो कहाँ से मोक्ष पधारे । ।

उत्तर— गुलजार बाग (पटना) ।

47. एक बार बस पढ़ा सुना हो, कभी न भूले यदि छुआ हो ।
उन आचार्य का नाम बताओ, जैन धर्म की शान बढ़ाओ । ।

उत्तर— आचार्य अकलंक देव ।

48. अष्टकर्म को किया है नाश, रही न जिनको कुछ भी आश ।
परमेष्ठी वे कौन कहाते, बीच हमारे कभी न आते । ।

उत्तर— श्री सिद्ध परमेष्ठी । 49 झूठी है

संसार की माया, युद्ध क्षेत्र में समझ है आया ।
गज पर ही कचलोंच है कीना, राजा कौन सा कहो नवीना । ।

उत्तर— राजा मधु ।

50. चतुर्दशी को हिंसा त्यागा, लोभ था पत्नि के मन जागा ।

देवों ने की उसकी रक्षा, नाम बताओ बच्चों सच्चा । । उत्तर— यमपाल चाण्डाल । **51.**

कभी जिन्होंने वस्त्र न पहने, और कभी न पहने गहने ।
उन आचार्य का नाम बताओं, जयकारा मिल जोर लगाओ । । उत्तर— आचार्य जिनसेन स्वामी । **52.**

पद्मपुराण है ग्रन्थ निराला, ग्रन्थ पढ़ा हो तो बतलाना ।
कुम्भ कर्ण रावण का भाई, मुक्ति कहाँ से उनने पाई । । उत्तर— चूलगिरि बावनगजा 'बडवानी' (म.प्र) ।

53. चार घातिया कर्म नशाया, प्रभु ने केवल ज्ञान है पाया ।
नाम घातिया के बतलाँए, अरिहन्त प्रभु जयकार लगाएँ । । उत्तर— घातिया कर्म के नाम:— १.ज्ञानावरण, २. दर्शनावरण, ३. मोहनीय , ४. अन्तराय ।

54. देव देवियाँ नित ही आकर, वंदन नर्तन करते जहाँ पर ।
महिमा जिनशासन की बढ़ाते, क्षेत्र कौन सा शीश झुकाते । । उत्तर— श्री अतिशय क्ष

55. देव—देवी तिर्यंच्च जहाँ पर, और मनुज की शोभा वहाँ पर ।
तीर्थंकर है बीच विराजे , नाम सभा का बताओ राजे । । उत्तर— समवसरण ।

56 **जन्मभूमि है पूज्य कहाती, तीर्थंकर सम ख्याति पाती ।**
कितने तीर्थंकर है जन्में, नगर अयोध्या ख्यात है जग में । । उत्तर— पाँच तीर्थंकर:— आदिनाथ, अजितनाथ, अभिनंदननाथ,सुमतिनाथ, अनंतनाथ ।

57. शेर ने जिनको शीश नवाया, दूध जलेबी खा हर्षाया ।
धर्मवीर का नाम बताओ, मार्ग अहिंसा का अपनाओ । । उत्तर— दीवान अमरचन्द्र जी ।

58. स्वर्गो से भी देव हैं आते, कल्याणक प्रभु का है मनाते ।
लौकान्तिक वैराग्य सराहे, कौन सा जिसको योगी चाहे । । उत्तर— तप कल्याणक ।

59. हिंसा पाप है बड़ा कहाता, दुर्गतियों में वो ले जाता ।
चार भेद हैं कौन बताए, त्यागी बन कर सुख पा जाए । । उत्तर— हिंसा के चार भेद:— १. संकल्पी हिंसा, २. उद्योगी हिंसा, ३. आरंभी हिंसा, ४. विरोधी हिंसा **60.**

सियालनी ने तन को खाया, स्वर्ग सम्पदा उनने पाया ।
मुनिवर तीन दिवस वे ध्यानी, नाम बताओ उनका ज्ञानी । । उत्तर—सुखमाल मुनि ।

61. श्रावक का आचार पढ़ाता, ग्रन्थ श्रावकाचार कहाता ।
रत्नकरण्डक नाम है पाया, किन आचार्य ने इसे बनाया । । उत्तर— स्वामी समन्तभद्राचार्य जी ।

62. दर्शन से शुभ भाव है जागा, कौए का फिर माँस है त्यागा ।
भील युगल का नाम बताओ, त्याग की महिमा खूब बढ़ाओ । । उत्तर— पुरुरवा भील एवं कालिका भीलनी । **63. महावीर**

अष्टक है बनाया, ख्याती खूबहै जिसने पाया ।
कवि का पक्का नाम बताओ, नाम बताकर इनाम पाओ । । उत्तर— श्री भागेन्दु अर्थात भागचन्द्र कवि ।

64. कुन्दकुन्द आचार्य हमारे, भव्य जनों के एक सहारे ।
कितना जीवन उनने पाया, उम्र बताओ मेरे भाया । । उत्तर— ९५ वर्ष १० माह १५ दिन ।

65. तीर्थंकर ने आहार पाया, हम सबने मिल पर्व मनाया ।
पर्व कौन सा मिल के मनाते, ऋषभदेव को शीश नवाते । । उत्तर— अक्षय तृतीया (वैशाख शुक्ल—३) । **66.**

णमोकार का मान बढ़ाया, जीवन्धर शुभ नाम है पाया ।
मोक्ष कहाँ से उनने पाया, कामदेव का पद ललचाया । । उत्तर— सिद्धवर कूट । **67. केवलज्ञान**

जिन्होंने पाया, भरत क्षेत्र में प्रथम कहाया ।
प्रथम प्रभु का नाम बताओ, केवलज्ञानी तुम बन जाओ । । उत्तर— अनन्तवीर्य । **68. जिनशासन**

का गौरव गाता, मन्दिर की पहचान कराता ।
दूर से जिसको शीश नमावें, कृति का सुन्दर नाम बतावें । । उत्तर— मन्दिर जी का शिखर ।

69. महावीर का जीव कहाया, सिंह की जिसने पाई काया ।
सम्यग्दर्शन गुण है धारा, किन गुरुवर का मिला सहारा । । उत्तर— अमितकीर्ति अथवा अमितप्रभू / अजितच्चय एवं अमित देव नामक दो मुनिराज ।

70. **रहने को है भवन बनाया, झाडा पोंछा जीव नशाया ।**
कौन सी हिंसा वो कहलाती, कर विवेक से काम बताती । । उत्तर— आरम्भी हिंसा । **71.**

सब कुछ पाकर सब कुछ त्यागा, तन पर रखा न इक भी धागा ।
तीन युद्ध है कौन से कीने, भरत भाई मुख भये मलीने । । उत्तर— भरत—बाहुबली के मध्य तीन युद्ध १. जल युद्ध , २. दृष्टि युद्ध, ३. मल्ल युद्ध ।